राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय
स्कूल स्तर कथक पाठ्यक्रम अंकविभाजन
MARKING SCHEME OF SCHOOL LEVEL
Vid Diploma in performing art- (V.D.P.A.)
(CLASSICAL DANCE) Kathak Previous Year
2026-27

PAPER	SUBJECT - Kathak	MAX	MIN
1	Theory - I History and Development of Indian dance	100	33
2	Theory - II Essay composition, rhythmic pattern and principles of practical	100	33
2	PRACTICAL - Demonstration & Viva	100	33
	GRAND TOTAL	300	99

<u>विद डिप्लोमा इन परफॉर्मिंग आर्ट– प्रथम वर्ष</u>
<u>कथक नृत्य</u>
<u>शास्त्र –प्रथम प्रश्नपत्र</u>

समयः– 3 घण्टे **पूर्णाक–100**

1. कथकनृत्य का क्रमिक विकास एवं उसके विभिन्न घरानों का अध्ययन।
2. रस एवं भाव के प्रकारों का संक्षिप्त ज्ञान।
3. नृत्य से संबंधित किन्हीं दो धार्मिक कथाओं का ज्ञान।
4. रास नृत्य का परिचयात्मक ज्ञान एवं कथक नृत्य से उसके सम्बन्ध की जानकारी।
5. क्षेत्रीय लोकनृत्यों का संक्षिप्त अध्ययन।
6. निम्नलिखित दो प्रकार की शास्त्रीय नृत्य शैलियों का परिचयात्मक ज्ञान। भरतनाट्यम, कथक, मणिपुरी, एवं कथकली।
7. अभिनय दर्पण के अनुसार संयुक्त हस्तमुद्राओं का लक्षण विनियोग सहित अध्ययन।

<u>शास्त्र –द्वितीय प्रश्नपत्र</u>

समयः– 3 घण्टे **पूर्णाकः–100**

1. ताल के दस प्राण का अध्ययन।
2. कथकनृत्य में मंगलाचरण, गुरूवंदना एवं भूमिवंदना का महत्व।

22/04/26 22/4/26 22/4/2026 22-4-2026 22/04/26 22/04/26

3. उत्तर भारतीय तालपद्धति का ज्ञान एवं प्रायोगिक पाठ्यक्रम में उल्लेखित तालों कें ठेके एवं तोड़े, परन, आदि को लिपिबद्ध करने का अभ्यास।

4. नाट्यशास्त्र के अनुसार 'भृकुटीभेद' का श्लोक सहित अध्ययन।

5. कथकनृत्य को प्रभावशाली बनाने के लिए निम्नलिखित विषयों का ज्ञानः
(अ) वेशभूषा एवं रूपसज्जा। (ब) रंगमंच व्यवस्था। (स) प्रकाश व्यवस्था।(द) वृन्दवादन(पार्श्व संगीत)

6. पं. बिरजू महाराज, विदुषी सितारा देवी एवं विदुषी रोशन कुमारी की जीवनी एवं कथक नृत्य में उनका योगदान।

7. मध्यप्रदेश के लोकनृत्यों का अध्ययन (इतिहास प्रस्तुति क्रम, वेशभूशा व वद्य यंत्रो के संदर्भ में।)

8. नायिका भेद का परिचात्कम अध्ययन।

विद् डिप्लोमा इन परफॉर्मिंग आर्ट-प्रथमवर्ष
कथक नृत्य
प्रायोगिक

पूर्णांकः-100

1. विष्णु वंदना या शिव वंदना से संबंधित श्लोक में भाव प्रदर्शन।

2. कसक, मसक एवं कटाक्ष के साथ ठाठ प्रदर्शन का अभ्यास।

3. त्रिताल में एक आमद, तीन तोड़े, दो परन, दो चक्करदार परन, एक परन तिश्र जाति की, दो तिहाई, दो कवित्त एवं तत्कार का नृत्य प्रदर्शन।

4. पूर्व में सीखे गये गत निकासों के अतिरिक्त बिंदिंया गत निकास का प्रदर्शन।

5. माखन चोरी गत–भाव का प्रदर्शन।

22/04/26 22/4/26 22/4/2026 22-4-2026 Vijay Sharma 22/04/26

22/04/26

6. चौताल (12–मात्रा) एवं एकताल (12–मात्रा) का ज्ञान तथा इनमें से किसी एक ताल में निम्नानुसार नृत्य करने का अभ्यास :–ठाठ, आमद, दोतोड़े, दोपरन, एक चक्करदार तोड़ा, एक चक्करदार परन, एवं एक कवित्त।

7. किसी एक भजन परभाव प्रदर्शन।

आंतरीक मूल्यांकन

आवश्यक निर्देश–: आंतरीक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय फाईल प्रस्तुत करनी होगी। कक्षा में सीखे गये रागो की स्वर लिपि / तोड़ो का विवरण

Vid Diploma in performing art- (V.D.P.A.)
(CLASSICAL DANCE) Kathak Final Year
2026-27

PAPER	SUBJECT - Kathak	MAX	MIN
1	Theory - I History and Development of Indian dance	100	33
2	Theory - II Essay composition, rhythmic pattern and principles of practical	100	33
3	PRACTICAL - Demonstration & Viva	100	33
	GRAND TOTAL	300	99

विद् डिप्लोमा इन परफॉर्मिंग आर्ट–अंतिम वर्ष
कथकनृत्य
शास्त्र –प्रथम प्रश्नपत्र

समयः– 3 घन्टे **पूर्णांकः–100**

1. निम्नलिखित शास्त्रीय नृत्यों का परिचयात्मक ज्ञानः–
   ओड़िसी, कुचिपुड़ी, एवं मोहिनीअट्टम।
2. कथकनृत्य प्रशिक्षण में गुरू–शिष्य परम्परा एवं उनकी शिक्षण पद्धतिका अध्ययन।
3. अभिनय एवं अभिनय के चारों प्रकार।
4. नायक भेद का अध्ययन।
5. मार्गी एवं देशी नृत्यों की जानकारी।
6. राजस्थान प्रदेश के लोकनृत्यों का अध्ययन (इतिहास, प्रस्तुति क्रम, वेशभूशा व वाद्य यंत्रों के संदर्भ में।)
7. निम्नलिखित परिभाषिक शब्दों का ज्ञान :–
   आड़, कुआड़, जाति, चारी, स्थानक भेद, पादभेद।

विद् डिप्लोमा इन परफॉर्मिंग आर्ट–अंतिम वर्ष
कथक नृत्य
शास्त्र – द्वितीय प्रश्नपत्र

समयः– 3 घन्टे **पूर्णाक–100**

1. कथक नृत्य के विभिन्न घरानों– लखनऊ, जयपुर एवं बनारस का परिचयं एवं उनकी शैलीगत विशेषताओं का अध्ययन।
2. नृत्त, नाट्य एवं नृत्य का ज्ञान।
3. अभिनय दर्पण में वर्णित विभिन्न विषय वस्तुओं का संक्षिप्त अध्ययन।
4. कथकनृत्य प्रदर्शन के वस्तु क्रम का सविस्तार विवरण ।
5. निम्नलिखित विषय वस्तुओं का अध्ययन।
   (अ) कथक नृत्य की वेशभूषा का प्राचीन एवं आधुनिक स्वरूप।
   (ब) कथक नृत्य में सह कलाकारों की भूमिका।
   (स) कथकनृत्य का काव्य पक्ष।
6. लय, ताल, एवं अभिनय का ज्ञान।
7. धमार (14–मात्रा) एवं रूपक (7–मात्रा) तालों के ठेके एवं उनकी ठाह, दुगुन, तिगुन एवं चौगुन लिपिबद्ध करने का अभ्यास।
8. उपर्युक्त तालों में सीखे गये बोल लिपिबद्ध करने की क्षमता।

विद् डिप्लोमा इन परफॉर्मिंग आर्ट–अंतिम वर्ष

कथक नृत्य

प्रायोगिक

पूर्णांक:– 100

1. सरस्वती वंदना अथवा गणेशवंदना से संबंधित श्लोक में भाव प्रदर्शन।

2. ठाठ का विशिष्ट प्रदर्शन।

3. त्रिताल में पूर्व की कक्षाओं में सीखे गये बोलों के अतिरिक्त निम्नानुसार नृत्य करने का अभ्यास :–

   एकआमद, तीनतोड़े, दोपरन, दो चक्करदार तोड़े, दो चक्करदार परन, एक तिस्त्र, एवं एक मिश्र जाति का तोड़ा या परन, दो कवित्त एवं विविध प्रकार की तिहाईयां।

4. विभिन्न प्रकार के तत्कार एवं लय बाँट का प्रदर्शन।

5. पाँच गतनिकासों का प्रदर्शन :–

   रूख़सार, बिंदिया, मुरली, मटकी व ठाठ ।

6. गतभाव का अभ्यास–होली एवं गोवर्धनपूजा ।

7. धमार (14–मात्रा) अथवा रूपक (7–मात्रा) में निम्नानुसार नृत्य करने का अभ्यास–थाटं, एक आमद, दोतोड़े, दोपरन, दो चक्करदार तोड़े या परन एवं कवित्त।

8. एक भजन और ठुमरी में भाव प्रदर्शन।

सदर्भित पुस्तकें :–

1. भारतीय संस्कृति में कथक परम्परा (डॉ. मांडवी सिंह)
2. कथकनृत्य शिक्षा भाग दो (डॉ. पुरू दधीच)
3. कथक नर्तन भाग–1 और भाग–2 (पं. तीरथराम आजाद)
4. नटवरी नृत्य माला (गुरू विकम)
5. कथक मध्यमा(डॉ. भगवानदास माणिक)
6. अभिनय दर्पण (डॉ. पुरूदाधीच)

22/04/26 22/4/26 22/4/2026 22-4-2026 22/04/26 22/04/26

आंतरीक मूल्यांकन

आवश्यक निर्देश–: **आंतरीक मूल्यांकन** के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

कंक्षा में सीखे गये रागो की स्वरलिपि/तोड़ो का विवरण

22/04/26 Chaubey 22/4/26 Singh 22/4/2026 22-4-2026 Vijay Sharma 22/04/26

Singh 22/04/26